पाठ्यपुस्तक में दिए गए हल रहित संख्यात्मक प्रश्नों का हल

राष्ट्रीय आय तथा संबंधित समुच्चय
(National Income and Related Aggregates)

1. निम्नलिखित आँकड़ों से सकल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय का आकलन कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) राष्ट्रीय आय	2,000
(ii) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय	(–)50
(iii) अचल पूँजी का उपभोग	200
(iv) शेष विश्व से प्राप्त शुद्ध चालू हस्तांतरण	150
(v) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	250

हल: सकल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय

= राष्ट्रीय आय + अचल पूँजी का उपभोग + शेष विश्व से प्राप्त शुद्ध चालू हस्तांतरण + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

= ₹ 2,000 करोड़ + ₹ 200 करोड़ + ₹ 150 करोड़ + ₹ 250 करोड़

= ₹ 2,600 करोड़

उत्तर: सकल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय = ₹ 2,600 करोड़।

2. निम्नलिखित आँकड़ों की सहायता से शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) सरकारी प्रशासनिक विभागों से प्राप्त चालू/वर्तमान हस्तांतरण	215
(ii) गैर-विभागीय उद्यमों की बचतें	7
(iii) कारक लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद	325
(iv) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय	12
(v) शेष विश्व से प्राप्त शुद्ध चालू हस्तांतरण	12
(vi) अप्रत्यक्ष कर	35
(vii) आर्थिक सहायता	10

हल: शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय

= कारक लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद + शेष विश्व से प्राप्त शुद्ध चालू हस्तांतरण + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (अप्रत्यक्ष कर – आर्थिक सहायता)

= ₹ 325 करोड़ + ₹ 12 करोड़ + (₹ 35 करोड़ – ₹ 10 करोड़)

= ₹ 325 करोड़ + ₹ 12 करोड़ + ₹ 25 करोड़

= ₹ 362 करोड़

उत्तर: शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय = ₹ 362 करोड़।

3. निम्नलिखित आँकड़ों से राष्ट्रीय आय का परिकलन कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) निजी आय	1,200
(ii) राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज	40
(iii) सरकारी प्रशासनिक विभागों से प्राप्त चालू हस्तांतरण	40
(iv) शेष विश्व से अन्य चालू हस्तांतरण	12
(v) सरकारी प्रशासकीय विभागों की संपत्ति व उद्यमवृत्ति से प्राप्त आय	16
(vi) गैर-विभागीय उद्यमों की बचतें	8

हल: राष्ट्रीय आय

= निजी आय – राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज – सरकारी प्रशासनिक विभागों से प्राप्त चालू हस्तांतरण – शेष विश्व से अन्य चालू हस्तांतरण + सरकारी प्रशासकीय विभागों की संपत्ति व उद्यमवृत्ति से प्राप्त आय + गैर-विभागीय उद्यमों की बचतें

= ₹ 1,200 करोड़ – ₹40 करोड़ – ₹ 40 करोड़ – ₹ 12 करोड़ + ₹ 16 करोड़ + ₹ 8 करोड़

= ₹ 1,132 करोड़

उत्तर: राष्ट्रीय आय = ₹ 1,132 करोड़।

4. निम्नलिखित आँकड़ों से निजी आय का परिकलन कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज	30
(ii) बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद	400
(iii) सरकार से चालू हस्तांतरण	20
(iv) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	40
(v) शेष विश्व से शुद्ध पूँजीतर हस्तांतरण	(–)10
(vi) सरकार को प्राप्त कारक लागत पर शुद्ध देशीय उत्पाद	50
(vii) अचल (स्थिर) पूँजी का अवक्षय (उपभोग)	70

हल: निजी आय

= बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद – सरकार को प्राप्त कारक लागत पर निवल देशीय उत्पाद – शुद्ध अप्रत्यक्ष कर – अचल (स्थिर) पूँजी का अवक्षय (उपभोग) + राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज + सरकार से चालू हस्तांतरण + शेष विश्व से शुद्ध पूँजीतर हस्तांतरण

= ₹ 400 करोड़ – ₹ 50 करोड़ – ₹ 40 करोड़ – ₹ 70 करोड़ + ₹ 30 करोड़ + ₹ 20 करोड़ + (–) ₹ 10 करोड़

= ₹ 400 करोड़ – ₹ 50 करोड़ – ₹ 40 करोड़ – ₹ 70 करोड़ + ₹ 30 करोड़ + ₹ 20 करोड़ – ₹ 10 करोड़

= ₹ 280 करोड़

उत्तर: निजी आय = ₹ 280 करोड़।

5. निम्नलिखित आँकड़ों से वैयक्तिक आय का परिकलन कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) निगमों के अवितरित लाभ	20
(ii) निजी क्षेत्र को प्राप्त शुद्ध घरेलू उत्पाद	500

(iii) निगम कर 55

(iv) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक (साधन) आय (–)10

(v) सरकार से प्राप्त शुद्ध पूँजीतर (चालू) हस्तांतरण 15

(vi) राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज 40

(vii) शेष विश्व से शुद्ध पूँजीतर (चालू) हस्तांतरण 15

हल: वैयक्तिक आय

= निजी क्षेत्र को प्राप्त शुद्ध घरेलू उत्पाद + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक (साधन) आय + सरकार से प्राप्त शुद्ध पूँजीतर (चालू) हस्तांतरण + शेष विश्व से शुद्ध पूँजीतर (चालू) हस्तांतरण + राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज – निगम कर – निगमों के अवितरित लाभ

= ₹ 500 करोड़ + (–) ₹ 10 करोड़ + ₹ 15 करोड़ + ₹ 15 करोड़ + ₹ 40 करोड़ – ₹ 55 करोड़ – ₹ 20 करोड़

= ₹ 485 करोड़

उत्तर: वैयक्तिक आय = ₹ 485 करोड़।

6. निम्नलिखित आँकड़ों की सहायता से (a) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर तथा (b) कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद	1,400
(ii) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय	(–)20
(iii) कारक लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद	1,300
(iv) स्थिर पूँजी का उपभोग	100
(v) राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज	18

हल: (a) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

= बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद – कारक लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (कारक लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद – स्थिर पूँजी का उपभोग)

= ₹ 1,400 करोड़ – (₹ 1,300 करोड़ – ₹ 100 करोड़)

= ₹ 1,400 करोड़ – ₹ 1,300 करोड़ + ₹ 100 करोड़

= ₹ 200 करोड़

(b) कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद

= कारक लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद – स्थिर पूँजी का उपभोग – विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय

= ₹ 1,300 करोड़ – ₹ 1,00 करोड़ – (–) ₹ 20 करोड़

= ₹ 1,300 करोड़ – ₹ 1,00 करोड़ + ₹ 20 करोड़

= ₹ 1,220 करोड़

उत्तर: (a) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर = ₹ 200 करोड़।

(b) कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद = ₹ 1,220 करोड़।

7. निम्नलिखित आँकड़ों की सहायता से (a) राष्ट्रीय आय, (b) वैयक्तिक आय तथा (c) निजी आय ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद	1,015
(ii) सरकारी प्रशासकीय विभागों को संपत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय	25

(iii) अप्रत्यक्ष कर	150
(iv) आर्थिक सहायता	20
(v) गैर-विभागीय उद्यमों की बचत	5
(vi) राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज	10
(vii) सरकार से प्राप्त चालू हस्तांतरण	25
(viii) शेष विश्व से प्राप्त चालू हस्तांतरण	10
(ix) निजी निगम क्षेत्र की बचत	15
(x) निगम लाभ कर	10

हल: (a) राष्ट्रीय आय = बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद – अप्रत्यक्ष कर + आर्थिक सहायता

= ₹ 1,015 करोड़ – ₹ 150 करोड़ + ₹ 20 करोड़

= ₹ 885 करोड़

(b) वैयक्तिक आय

= राष्ट्रीय आय – सरकारी प्रशासनिक विभागों को संपत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय – गैर-विभागीय उद्यमों की बचत + राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज + सरकार से प्राप्त चालू हस्तांतरण + शेष विश्व से प्राप्त चालू हस्तांतरण – निजी निगम क्षेत्र की बचत – निगम लाभ कर

= ₹ 885 करोड़ – ₹ करोड़ – ₹ 5 करोड़ + ₹ 10 करोड़ + ₹ 25 करोड़ + ₹ 10 करोड़ – ₹ 15 करोड़ – ₹ 10 करोड़

= ₹ 875 करोड़

(c) निजी आय

= वैयक्तिक आय + निजी निगम क्षेत्र की बचत + निगम लाभ कर

= ₹ 875 करोड़ + ₹ 15 करोड़ + ₹ 10 करोड़

= ₹ 900 करोड़

उत्तर: (a) राष्ट्रीय आय = ₹ 885 करोड़।

(b) वैयक्तिक आय = ₹ 875 करोड़।

(c) निजी आय = ₹ 900 करोड़।

8. निम्नलिखित आँकड़ों की सहायता से (a) निजी आय, (b) वैयक्तिक प्रयोज्य आय तथा (c) शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) राष्ट्रीय आय	3,000
(ii) निजी निगमित क्षेत्र की बचत	30
(iii) निगम कर	80
(iv) सरकारी प्रशासनिक विभागों से प्राप्त चालू हस्तांतरण	60
(v) सरकारी प्रशासकीय विभागों को संपत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय	150
(vi) शेष विश्व से प्राप्त चालू हस्तांतरण	50
(vii) गैर-विभागीय सार्वजनिक उद्यमों की बचत	40
(viii) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	250

(ix) परिवारों द्वारा दिए गए प्रत्यक्ष कर 100

(x) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय (–)10

हल: (a) निजी आय

= राष्ट्रीय आय + सरकारी प्रशासनिक विभागों से प्राप्त चालू हस्तांतरण + शेष विश्व से प्राप्त चालू हस्तांतरण – सरकारी प्रशासनिक विभागों को संपत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय – गैर-विभागीय सार्वजनिक उद्यमों की बचत

= ₹ 3,000 करोड़ + ₹ 60 करोड़ + ₹ 50 करोड़ – ₹ 150 करोड़ – ₹ 40 करोड़

= ₹ 2,920 करोड़

(b) वैयक्तिक प्रयोज्य आय

= निजी आय – निजी निगमित क्षेत्र की बचत – निगम कर – परिवारों द्वारा दिए गए प्रत्यक्ष कर

= ₹ 2,920 करोड़ – ₹ 30 करोड़ – ₹ 80 करोड़ – ₹ 100 करोड़

= ₹ 2,710 करोड़

(c) शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय

= राष्ट्रीय आय + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + शेष विश्व से प्राप्त चालू हस्तांतरण

= ₹ 3,000 करोड़ + ₹ 250 करोड़ + ₹ 50 करोड़

= ₹ 3,300 करोड़

उत्तर: (a) निजी आय = ₹ 2,920 करोड़।

(b) वैयक्तिक प्रयोज्य आय = ₹ 2,710 करोड़।

(c) शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय = ₹ 3,300 करोड़।

राष्ट्रीय आय के आकलन की विधियाँ
(Methods of Calculating National Income)

1. एक फर्म 'X' के बारे में दिए गए निम्नलिखित आँकड़ों से उसके द्वारा किए गए कारक लागत पर सकल वर्धित मूल्य (मूल्य वृद्धि) का परिकलन कीजिए:

मदें	**(₹ हजार)**
(i) बिक्री	500
(ii) प्रारंभिक स्टॉक	30
(iii) अंतिम स्टॉक	20
(iv) मध्यवर्ती उत्पादों का क्रय	300
(v) मशीन का क्रय	150
(vi) आर्थिक सहायता	40

हल: फर्म 'X' द्वारा कारक लागत पर सकल मूल्य वृद्धि

= बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन (अंतिम स्टॉक – प्रारंभिक स्टॉक) + आर्थिक सहायता – मध्यवर्ती उत्पादों का क्रय

= ₹ 500 हजार + (₹ 20 हजार – ₹ 30 हजार) + ₹ 40 हजार – ₹ 300 हजार

= ₹ 500 हजार – ₹ 10 हजार + ₹ 40 हजार – ₹ 300 हजार

= ₹ 230 हजार

उत्तर: फर्म 'X' द्वारा कारक लागत पर सकल मूल्य वृद्धि = ₹ 230 हजार।

2. एक फर्म 'Y' के बारे में दिए गए निम्नलिखित आँकड़ों से उसके द्वारा किए गए बाजार कीमत पर निवल वर्धित मूल्य (मूल्य वृद्धि) का परिकलन कीजिए:

मदें	**(₹ हजार)**
(i) बिक्री	300
(ii) मूल्यह्रास	20
(iii) निवल (शुद्ध) अप्रत्यक्ष कर	30
(iv) मध्यवर्ती उत्पादों का क्रय	150
(v) स्टॉक में परिवर्तन	(–)10
(vi) मशीन का क्रय	100

हल: फर्म 'Y' द्वारा बाजार कीमत पर निवल मूल्य वृद्धि

= बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन – मध्यवर्ती उत्पादों का क्रय – मूल्यह्रास

= ₹ 300 हजार + (–) ₹ 10 हजार – ₹ 150 हजार – ₹ 20 हजार

= ₹ 120 हजार

उत्तर: फर्म 'Y' द्वारा बाजार कीमत पर निवल मूल्य वृद्धि = ₹ 120 हजार।

3. निम्न आँकड़ों से प्रचालन अधिशेष का आकलन कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) किराया	120
(ii) लाभ	200
(iii) घरेलू आय	800
(iv) मिश्रित आय	70
(v) मजदूरी एवं वेतन	350
(vi) अप्रत्यक्ष कर	150
(vii) आर्थिक सहायता	50
(viii) घिसावट	200

हल: प्रचालन अधिशेष = घरेलू आय – मजदूरी एवं वेतन – मिश्रित आय

= ₹ 800 करोड़ – ₹ 350 करोड़ – ₹ 70 करोड़

= ₹ 380 करोड़

उत्तर: प्रचालन अधिशेष = ₹ 380 करोड़।

4. निम्नलिखित आँकड़ों से व्यय विधि की सहायता से GDP_{MP} और NDP_{MP} का परिकलन कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) वैयक्तिक प्रयोज्य आय	8,600
(ii) निजी बचतें	1,500
(iii) स्थिर पूँजी निर्माण	3,000
(iv) शुद्ध निर्यात	(–)300
(v) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय	(–)500

(vi)	शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	600
(vii)	सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	2,200
(viii)	स्टॉक में परिवर्तन	800
(ix)	अचल पूँजी का उपभोग	450

हल: GDP_{MP}

= वैयक्तिक प्रयोज्य आय – निजी बचतें + शुद्ध निर्यात + स्थिर पूँजी निर्माण + स्टॉक में परिवर्तन + सरकारी अंतिम उपभोग व्यय

= ₹ 8,600 करोड़ – ₹ 1,500 करोड़ + (–) ₹ 300 करोड़ + ₹ 3,000 करोड़ + ₹ 800 करोड़ + ₹ 2,200 करोड़

= ₹ 12,800 करोड़

$NDP_{MP} = GDP_{MP}$ – अचल पूँजी का उपभोग

= ₹ 12,800 करोड़ – ₹ 450 करोड़

= ₹ 12,350 करोड़

उत्तर: GDP_{MP} = ₹ 12,800 करोड़।

NDP_{MP} = ₹ 12,350 करोड़।

5. निम्न आँकड़ों से राष्ट्रीय आय का आकलन कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) कर्मचारियों का पारिश्रमिक	800
(ii) किराया	200
(iii) मजदूरी एवं वेतन	750
(iv) निवल (शुद्ध) निर्यात	(–)30
(v) विदेशों से प्राप्त निवल (शुद्ध) कारक आय	(–)20
(vi) लाभ	300
(vii) ब्याज	100
(viii) घिसावट	50
(ix) विदेशों से प्राप्त सहायता	80
(x) लाभ कर	60

हल: राष्ट्रीय आय

= कर्मचारियों का पारिश्रमिक + किराया + लाभ + ब्याज + विदेशों से प्राप्त निवल (शुद्ध) कारक आय

= ₹ 800 करोड़ + ₹ 200 करोड़ + ₹ 300 करोड़ + ₹ 100 करोड़ + (–) ₹ 20 करोड़

= ₹ 1,400 करोड़ – ₹ 20 करोड़

= ₹ 1,380 करोड़

उत्तर: राष्ट्रीय आय = ₹ 1,380 करोड़।

6. निम्न आँकड़ों से निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त कारक आय ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) प्रचालन अधिशेष	30
(ii) सरकारी विभागीय उद्यमों की संपत्ति तथा उद्यमवृत्ति से प्राप्त आय	5

(iii)	कर्मचारियों का पारिश्रमिक	100
(iv)	स्वनियोजितों की मिश्रित आय	180
(v)	गैर-विभागीय उद्यमों की बचत	5

हल: निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त कारक आय

= कर्मचारियों का पारिश्रमिक + प्रचालन अधिशेष + स्वनियोजितों की मिश्रित आय – सरकारी विभागीय उद्यमों की संपत्ति तथा उद्यमवृत्ति से प्राप्त आय – गैर-विभागीय उद्यमों की बचत

= ₹ 100 करोड़ + ₹ 30 करोड़ + ₹ 180 करोड़ – ₹ 5 करोड़ – ₹ 5 करोड़

= ₹ 300 करोड़

उत्तर: निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त कारक आय = ₹ 300 करोड़।

7. निम्नलिखित आँकड़ों की सहायता से (a) वैयक्तिक प्रयोज्य आय तथा (b) राष्ट्रीय आय ज्ञात कीजिए:

	मदें	**(₹ करोड़)**
(i)	निजी आय	3,000
(ii)	कर्मचारियों का पारिश्रमिक	800
(iii)	स्वनियोजितों की मिश्रित आय	900
(iv)	विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय	(–)50
(v)	निजी उद्यमों की शुद्ध प्रतिधारित आय	600
(vi)	लगान/किराया	350
(vii)	लाभ	600
(viii)	अचल पूँजी का उपभोग	200
(ix)	परिवारों द्वारा दिए गए प्रत्यक्ष कर	300
(x)	निगम कर	350
(xi)	शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	250
(xii)	शुद्ध निर्यात	(–)70
(xiii)	ब्याज	450

हल: (a) वैयक्तिक प्रयोज्य आय

= निजी आय – निजी उद्यमों की शुद्ध प्रतिधारित आय – निगम कर – परिवारों द्वारा दिए गए प्रत्यक्ष कर

= ₹ 3,000 करोड़ – ₹ 600 करोड़ – ₹ 350 करोड़ – ₹ 300 करोड़

= ₹ 1,750 करोड़

(b) राष्ट्रीय आय

= कर्मचारियों का पारिश्रमिक + किराया + लाभ + ब्याज + स्वनियोजितों की मिश्रित आय + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय

= ₹ 800 करोड़ + ₹ 350 करोड़ + ₹ 600 करोड़ + ₹ 450 करोड़ + ₹ 900 करोड़ + (–) ₹ 50 करोड़

= ₹ 3,050 करोड़

उत्तर: (a) वैयक्तिक प्रयोज्य आय = ₹ 1,750 करोड़।

(b) राष्ट्रीय आय = ₹ 3,050 करोड़।

8. निम्नलिखित आँकड़ों से कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद और सकल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय का परिकलन कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) विदेशों से प्राप्त शुद्ध पूँजीतर (चालू) हस्तांतरण	(–)5
(ii) निजी अंतिम उपभोग व्यय	250
(iii) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय	15
(iv) सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	50
(v) स्थिर पूँजी का अवक्षय (उपभोग)	25
(vi) शुद्ध निर्यात	(–)10
(vii) आर्थिक सहायता	10
(viii) शुद्ध घरेलू पूँजी निर्माण	30
(ix) अप्रत्यक्ष कर	20

हल: कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद

= निजी अंतिम उपभोग व्यय + सरकारी अंतिम उपभोग व्यय + शुद्ध घरेलू पूँजी निर्माण + शुद्ध निर्यात – अप्रत्यक्ष कर + आर्थिक सहायता

= ₹ 250 करोड़ + ₹ 50 करोड़ + ₹ 30 करोड़ + (–) ₹ 10 करोड़ – ₹ 20 करोड़ + ₹ 10 करोड़

= ₹ 310 करोड़

सकल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय

= कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद + विदेशों से प्राप्त शुद्ध पूँजीतर हस्तांतरण + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + स्थिर पूँजी का उपभोग + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय

= ₹ 310 करोड़ + (–) ₹ 5 करोड़ + (₹ 20 करोड़ – ₹ 10 करोड़) + ₹ 25 करोड़ + ₹ 15 करोड़

= ₹ 310 करोड़ – ₹ 5 करोड़ + ₹ 10 करोड़ + ₹ 25 करोड़ + ₹ 15 करोड़

= ₹ 355 करोड़

उत्तर: कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद = ₹ 310 करोड़।

सकल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय = ₹ 355 करोड़।

9. निम्नलिखित आँकड़ों से राष्ट्रीय आय तथा शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय का परिकलन कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) विदेशों को शुद्ध पूँजीतर (चालू) हस्तांतरण	15
(ii) शुद्ध निर्यात	(–)20
(iii) निजी अंतिम उपभोग व्यय	400
(iv) विदेशों को शुद्ध कारक आय	10
(v) सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	100
(vi) अप्रत्यक्ष कर	30
(vii) शुद्ध देशीय पूँजी निर्माण	50
(viii) स्टॉक में परिवर्तन	7
(ix) आर्थिक सहायता	5

हल: राष्ट्रीय आय

= निजी अंतिम उपभोग व्यय + सरकारी अंतिम उपभोग व्यय + शुद्ध देशीय पूँजी निर्माण + शुद्ध निर्यात – विदेशों को शुद्ध कारक आय – शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (अप्रत्यक्ष कर – आर्थिक सहायता)

= ₹ 400 करोड़ + ₹ 100 करोड़ + ₹ 50 करोड़ + (–) ₹ 20 करोड़ – ₹ 10 करोड़ – (₹ 30 करोड़ – ₹ 5 करोड़)

= ₹ 400 करोड़ + ₹ 100 करोड़ + ₹ 50 करोड़ – ₹ 20 करोड़ – ₹ 10 करोड़ – ₹ 25 करोड़

= ₹ 495 करोड़

शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय

= राष्ट्रीय आय + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर – विदेशों को शुद्ध पूँजीतर हस्तांतरण

= ₹ 495 करोड़ + (₹ 30 करोड़ – ₹ 5 करोड़) – ₹ 15 करोड़

= ₹ 495 करोड़ + ₹ 25 करोड़ – ₹ 15 करोड़

= ₹ 505 करोड़

उत्तर: राष्ट्रीय आय = ₹ 495 करोड़।

शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय = ₹ 505 करोड़।

10. निम्नलिखित आँकड़ों से (a) आय विधि तथा (b) व्यय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय का परिकलन कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) निजी अंतिम उपभोग व्यय	2,000
(ii) शुद्ध पूँजी निर्माण	400
(iii) स्टॉक में परिवर्तन	50
(iv) कर्मचारियों का पारिश्रमिक	1,900
(v) लगान/किराया	200
(vi) ब्याज	150
(vii) प्रचालन अधिशेष	720
(viii) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	400
(ix) सामाजिक सुरक्षा योजना के लिए मालिकों का योगदान	100
(x) शुद्ध निर्यात	20
(xi) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय	(–) 20
(xii) सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	600
(xiii) अचल पूँजी का उपभोग	100

हल: (a) आय विधि:

राष्ट्रीय आय = कर्मचारियों का पारिश्रमिक + प्रचालन अधिशेष + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय

= ₹ 1,900 करोड़ + ₹ 720 करोड़ + (–) ₹ 20 करोड़

= ₹ 2,600 करोड़

(b) व्यय विधि:

राष्ट्रीय आय = निजी अंतिम उपभोग व्यय + सरकारी अंतिम उपभोग व्यय + शुद्ध पूँजी निर्माण + शुद्ध निर्यात + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय – शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

= ₹ 2,000 करोड़ + ₹ 600 करोड़ + ₹ 400 करोड़ + 20 करोड़ + (–) ₹ 20 करोड़ – ₹ 400 करोड़

= ₹ 2,600 करोड़

उत्तर: राष्ट्रीय आय (आय तथा व्यय विधियों द्वारा) = ₹ 2,600 करोड़।

11. निम्नलिखित आँकड़ों से कारक लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (a) आय विधि तथा (b) व्यय विधि द्वारा ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) शेष विश्व से प्राप्त चालू हस्तांतरण	100
(ii) सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	1,000
(iii) मजदूरी व वेतन	3,800
(iv) लाभांश	500
(v) लगान	200
(vi) ब्याज	150
(vii) शुद्ध घरेलू पूँजी निर्माण	500
(viii) लाभ	800
(ix) सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए मालिकों का योगदान	200
(x) शुद्ध निर्यात	(–)50
(xi) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय	(–)30
(xii) अचल पूँजी का उपभोग	40
(xiii) निजी अंतिम उपभोग व्यय	4,000
(xiv) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	300

हल: (a) आय विधि:

कारक लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद

= मजदूरी व वेतन + लाभ + लगान + ब्याज + सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए मालिकों का योगदान + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय

= ₹ 3,800 करोड़ + ₹ 800 करोड़ + ₹ 200 करोड़ + ₹ 150 करोड़ + ₹ 200 करोड़ + (–) ₹ 30 करोड़

= ₹ 5,120 करोड़

(b) व्यय विधि:

कारक लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद

= सरकारी अंतिम उपभोग व्यय + शुद्ध घरेलू पूँजी निर्माण + शुद्ध निर्यात + निजी अंतिम उपभोग व्यय + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय – शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

= ₹ 1,000 करोड़ + ₹ 500 करोड़ + (–) ₹ 50 करोड़ + ₹ 4,000 करोड़ + (–) ₹ 30 करोड़ – 300 करोड़

= ₹ 5,120 करोड़

उत्तर: कारक लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (आय तथा व्यय विधियों द्वारा) = ₹ 5,120 करोड़।

12. एक फर्म के बारे में दिए गए निम्नलिखित आँकड़ों से (a) बाजार कीमत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि ज्ञात कीजिए (b) दर्शाइए कि कारक लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि कारक आय के योग के बराबर है।

मदें	**(₹ हजार)**
(i) वेतन व मजदूरी	120
(ii) ब्याज भुगतान	90
(iii) लाभांश	30
(iv) अवितरित लाभ	20
(v) लगान भुगतान	15
(vi) स्टॉक में वृद्धि	40
(vii) कच्चे माल का आयात	20
(viii) अप्रत्यक्ष कर	10
(ix) अचल पूँजी का मूल्यह्रास	15
(x) घरेलू बिक्री	360
(xi) निर्यात	40
(xii) घरेलू कच्चे माल व अन्य आगतों का क्रय	120

हल: (a) बाजार कीमत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि

= (घरेलू बिक्री + निर्यात + स्टॉक में वृद्धि) – (घरेलू कच्चे माल व अन्य आगतों का क्रय + कच्चे माल का आयात) – अचल पूँजी का मूल्यह्रास

= (₹ 360 हजार + ₹ 40 हजार + ₹ 40 हजार) – (₹ 120 हजार + ₹ 20 हजार) – ₹ 15 हजार

= ₹ 285 हजार

(b) (i) कारक लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि

= बाजार मूल्य पर शुद्ध मूल्य वृद्धि – अप्रत्यक्ष कर

= ₹ 285 हजार ₹ 10 हजार = ₹ 275 हजार

(ii) कारक आय = वेतन व मजदूरी + ब्याज भुगतान + लाभांश + अवितरित लाभ + लगान भुगतान

= ₹ 120 हजार + ₹ 90 हजार + ₹ 30 हजार + ₹ 20 हजार + ₹ 15 हजार

= ₹ 275 हजार

उत्तर: (a) बाजार कीमत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि = ₹ 285 हजार।

(b) कारक लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि = कारक आय का जोड़ = ₹ 275 हजार।

समग्र माँग एवं इसके घटक
(Aggregate Demand and its Components)

1. C का मूल्य ज्ञात कीजिए, जब $\overline{C} = 50$, $Y = 500$ और सीमांत उपभोग प्रवृत्ति 0.2 है।

हल: हम जानते हैं कि, $C = \overline{C} + bY$

$= 50 + 0.2(500)$

$= 50 + 100$

$= 150$

उत्तर: उपभोग (C) = 150।

2. बचत ज्ञात कीजिए, जब $\overline{S} = 100$, $Y = 500$ और सीमांत बचत प्रवृत्ति = 0.4 है।

हल: हम जानते हैं कि, $S = -\overline{S} + sY$

$= -100 + 0.4(500)$ $\quad (s = MPS = 0.4)$

$= -100 + 200$

$= 100$

उत्तर: बचत (S) = 100।

3. निम्नलिखित आँकड़ों से सीमांत उपभोग प्रवृत्ति एवं सीमांत बचत प्रवृत्ति के मूल्य ज्ञात कीजिए:

आय (₹)	बचत (₹)
750	150
1,000	200

हल:

आय (Y) (₹)	आय में परिवर्तन (Y) (₹)	बचत (S) (₹)	उपभोग (C) (₹)	उपभोग में परिवर्तन (C) (₹)
750	—	150	600	—
1,000	1,000 – 750 = 250	200	800	800 – 600 = 200

सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) $= \frac{C}{Y} = \frac{200}{250} = 0.8$

सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) $= 1 - MPC$

$= 1 - 0.8 = 0.2$

उत्तर: MPC = 0.8।

MPS = 0.2।

4. औसत बचत प्रवृत्ति का मूल्य क्या होगा जब:

(i) $Y = 1,000$ पर $C = 200$?

(ii) $Y = 1,200$ पर $S = 450$?

हल: $APS = \frac{S}{Y}$

(i) हम जानते हैं कि, $S = Y - C$

$= 1,000 - 200 = 800$

$APS = \frac{S}{Y} \quad \frac{800}{1,000}$

$= 0.8$

(ii) जब $S = 450$ तथा $Y = 1,200$

$APS = \frac{S}{Y} \quad \frac{450}{1,200}$

$= 0.375$

उत्तर: (i) APS = 0.8।

(ii) APS = 0.375।

5. निम्नलिखित तालिका को पूरा कीजिए:

आय का स्तर (₹)	उपभोग व्यय (₹)	सीमांत उपभोग प्रवृत्ति	सीमांत बचत प्रवृत्ति
1,000	900		
1,200	1,060		
1,400	1,210		
1,600	1,350		

हल:

आय का स्तर (Y) (₹)	उपभोग व्यय (C) (₹)	बचत (S) = Y – C (₹)	सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) = $\frac{C}{Y}$	सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) = $\frac{S}{Y}$
1,000	900	100	—	
1,200	1,060	140	0.8	0.2
1,400	1,210	190	0.75	0.25
1,600	1,350	250	0.7	0.3

6. निम्नलिखित तालिका को पूरा कीजिए:

आय (₹)	उपभोग व्यय (₹)	सीमांत उपभोग प्रवृत्ति	औसत बचत प्रवृत्ति
0	20		
50	55		
100	90		
150	125		

हल:

आय (Y) (₹)	उपभोग व्यय (C) (₹)	बचत (S) = Y – C (₹)	सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) = $\frac{C}{Y}$	औसत बचत प्रवृत्ति (APS) = $\frac{S}{Y}$
0	20	–20	—	—
50	55	–5	$\frac{35}{50}$ 0.7	$\frac{-5}{50}$ –0.1
100	90	10	$\frac{35}{50}$ 0.7	$\frac{10}{100}$ 0.1
150	125	25	$\frac{35}{50}$ 0.7	$\frac{25}{150}$ 0.16

7. निम्नलिखित तालिका को पूरा कीजिए:

आय (₹)	सीमांत उपभोग प्रवृत्ति	बचत (₹)	औसत बचत प्रवृत्ति	औसत उपभोग प्रवृत्ति
0	0.5	–80		
50	0.5	—		
100	0.5	—		
150	0.5	—		
200	0.5	—	—	—

हल:

आय (Y) (₹)	सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC)	बचत (S) = Y – C (₹)	उपभोग (C) (₹)	औसत बचत प्रवृत्ति (APS) = $\frac{S}{Y}$	औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) = $\frac{C}{Y}$
0	—	–80	80	—	—
50	0.5	–55	80 + 25 = 105	$\frac{-55}{50}$ –1.1	$\frac{105}{50}$ 2.1
100	0.5	–30	80 + 50 = 130	$\frac{-30}{100}$ –0.3	$\frac{130}{100}$ 1.3
150	0.5	–5	80 + 75 = 155	$\frac{-5}{150}$ –0.03	$\frac{155}{150}$ 1.03
200	0.5	20	80 + 100 = 180	$\frac{20}{200}$ 0.1	$\frac{180}{200}$ 0.9

[**संकेत:** $C = \overline{C} + cY$; यहाँ, $\overline{C} = 80$, $Y = 0$ पर एवं $c = 0.5$]

अल्पकालीन संतुलन उत्पादन
(Short Run Equilibrium Output)

1. यदि गुणक का मूल्य 4 है तो

(i) MPC तथा MPS का मूल्य क्या होगा?

(ii) सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मूल्य क्या होगा जब सीमांत बचत प्रवृत्ति 0.2 है?

हल: (i) $$K = \frac{1}{MPS}$$

$K = 4$ का मूल्य प्रतिस्थापित करने पर

$$4 = \frac{1}{MPS}$$

$$MPS = \frac{1}{4} = 0.25$$

$$MPC = 1 - MPS$$

$$= 1 - 0.25 = 0.75$$

(ii) $$MPC = 1 - MPS$$

$$= 1 - 0.2$$

$$MPC = 0.8$$

उत्तर: (i) MPC = 0.75; MPS = 0.25।

(ii) MPC = 0.8।

2. एक अर्थव्यवस्था में निवेश व्यय में ₹ 700 करोड़ की वृद्धि की जाती है। सीमांत उपभोग प्रवृत्ति 0.9 है। आय तथा उपभोग व्यय में कुल वृद्धि का आकलन कीजिए।

हल: सीमांत उपभोग प्रवृत्ति = 0.9

निवेश में वृद्धि (= ₹ 700 करोड़

$$\text{गुणक (K)} = \frac{1}{1 \quad \text{MPC}}$$

$$\frac{1}{1 \quad 0.9} \quad \frac{1}{0.1} \quad 10$$

आय में वृद्धि (Y) = K I

= 10 ₹ 700 करोड़ = ₹ 7,000 करोड़

उपभोग में वृद्धि (C) = Y MPC

= ₹ 7,000 करोड़ 0.9 = ₹ 6,300 करोड़

उत्तर: आय में वृद्धि = ₹ 7,000 करोड़।

उपभोग व्यय में वृद्धि = ₹ 6,300 करोड़।

3. एक अर्थव्यवस्था में निवेश व्यय में ₹ 400 करोड़ की वृद्धि की जाती है। सीमांत उपभोग प्रवृत्ति 0.8 है। आय तथा बचत में होने वाली वृद्धि की गणना कीजिए।

हल: सीमांत उपभोग प्रवृत्ति = 0.8

निवेश में वृद्धि (= ₹ 400 करोड़

$$\text{गुणक (K)} = \frac{1}{1 \quad \text{MPC}}$$

$$\frac{1}{1 \quad 0.8} \quad \frac{1}{0.2} \quad 5$$

सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) = 1 – MPC = 1 – 0.8 = 0.2

आय में वृद्धि (Y = K × I

= 5 × ₹ 400 करोड़

= ₹ 2,000 करोड़

बचत में वृद्धि = Y × MPS

= ₹ 2,000 करोड़ × 0.2

= ₹ 400 करोड़

उत्तर: आय में वृद्धि = ₹ 2,000 करोड़।

बचत में वृद्धि = ₹ 400 करोड़।

4. एक अर्थव्यवस्था में निवेश में ₹ 600 करोड़ की वृद्धि की जाती है। यदि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति 0.6 हो तो आय तथा उपभोग व्यय में होने वाली कुल वृद्धि का आकलन कीजिए।

हल: सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) = 0.6

निवेश में वृद्धि (= ₹ 600 करोड़

$$\text{गुणक (K)} = \frac{1}{1 \quad \text{MPC}}$$

$$\frac{1}{1 \quad 0.6} \quad \frac{1}{0.4} \quad 2.5$$

आय में वृद्धि (Y) = K × I

= 2.5 × ₹ 600 करोड़

= ₹ 1,500 करोड़

उपभोग में वृद्धि (C) = Y MPC

= ₹ 1,500 करोड़ × 0.6

= ₹ 900 करोड़

उत्तर: आय में वृद्धि = ₹ 1,500 करोड़।

उपभोग व्यय में वृद्धि = ₹ 900 करोड़।

5. निवेश में ₹ 200 करोड़ की वृद्धि से राष्ट्रीय आय में ₹ 1,000 करोड़ की वृद्धि होती है। सीमांत उपभोग प्रवृत्ति ज्ञात कीजिए।

हल: निवेश में वृद्धि (I) = ₹ 200 करोड़

राष्ट्रीय आय में वृद्धि (Y) = ₹ 1,000 करोड़

हम जानते हैं कि,

$$\text{गुणक (K)} = \frac{Y}{I} = \frac{1,000}{200} = 5$$

हम यह भी जानते हैं कि,

$$K = \frac{1}{1 - MPC}$$

$$1 - MPC = \frac{1}{5}$$

$$1 - MPC = 0.2$$

$$MPC = 1 - 0.2 = 0.8$$

उत्तर: सीमांत उपभोग प्रवृत्ति = 0.8।

6. निवेश में वृद्धि से राष्ट्रीय आय में ₹ 500 करोड़ की कुल वृद्धि हुई। यदि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति 0.9 हो, तो निवेश में हुई वृद्धि का परिकलन कीजिए।

हल: राष्ट्रीय आय में वृद्धि (Y) = ₹ 500 करोड़

सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) = 0.9

हम जानते हैं कि,

$$\text{गुणक (K)} = \frac{1}{1 - MPC}$$

$$= \frac{1}{1 - 0.9} = \frac{1}{0.1} = 10$$

हम यह भी जानते है कि,

$$K = \frac{Y}{I}$$

$$I = \frac{Y}{K} = \frac{500}{10} = 50$$

उत्तर: निवेश में वृद्धि = ₹ 50 करोड़।

7. यदि सीमांत बचत प्रवृत्ति 0.25 हो तो निवेश में ₹ 125 करोड़ की वृद्धि राष्ट्रीय आय में कितनी वृद्धि लाएगी? परिकलन कीजिए।

हल: दिया है, सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) = 0.25

निवेश में वृद्धि (I) = ₹ 125 करोड़

हम जानते हैं कि,

$$\text{गुणक (K)} = \frac{1}{1 \quad \text{MPC}} = \frac{1}{\text{MPS}}$$

$$= \frac{1}{0.25} = 4$$

हम यह भी जानते हैं कि,

$$K = \frac{Y}{I}$$

$$Y = K \times I$$

$$= 4 \times 125 = 500$$

उत्तर: राष्ट्रीय आय में वृद्धि = ₹ 500 करोड़।

8. राष्ट्रीय आय में ₹ 1,000 करोड़ की वृद्धि की योजना है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए निवेश में कितनी वृद्धि आवश्यक है? यह मान कर चलिए कि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति 0.6 है। परिकलन कीजिए।

हल: राष्ट्रीय आय में इच्छित वृद्धि = ₹ 1,000 करोड़

सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) = 0.6

हम जानते हैं कि,

$$\text{गुणक (K)} = \frac{1}{1 \quad \text{MPC}}$$

$$= \frac{1}{1 \quad 0.6} = \frac{1}{0.4} = 2.5$$

हम यह भी जानते हैं कि, $K = \frac{Y}{I}$

$$I = \frac{Y}{K}$$

$$= \frac{1{,}000}{2.5} = 400$$

उत्तर: निवेश में इच्छित वृद्धि = ₹ 400 करोड़।

9. निवेश में ₹ 400 करोड़ की वृद्धि राष्ट्रीय आय में ₹ 1,600 करोड़ की वृद्धि लाती है। सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का परिकलन कीजिए।

हल: निवेश में वृद्धि (I) = ₹ 400 करोड़

राष्ट्रीय आय में वृद्धि (Y) = ₹ 1,600 करोड़

$$\text{गुणक (K)} = \frac{Y}{I}$$

$$K = \frac{1,600}{400} = 4$$

हम जानते हैं कि, $$K = \frac{1}{1 - MPC}$$

$$4 = \frac{1}{1 - MPC}$$

$$1 - MPC = \frac{1}{4}$$

$$1 - MPC = 0.25$$

$$MPC = 1 - 0.25$$

$$= 0.75$$

उत्तर: सीमांत उपभोग प्रवृत्ति = 0.75।

10. निवेश में ₹ 500 करोड़ की वृद्धि राष्ट्रीय आय में ₹ 2,500 करोड़ की वृद्धि लाती है। सीमांत उपभोग प्रवृत्ति तथा बचत में परिवर्तन का परिकलन कीजिए।

हल: निवेश में वृद्धि (I) = ₹ 500 करोड़

राष्ट्रीय आय में वृद्धि (Y) = ₹ 2,500 करोड़

$$\text{गुणक (K)} = \frac{Y}{I}$$

$$K = \frac{2,500}{500} = 5$$

हम जानते हैं कि,

$$K = \frac{1}{1 - MPC}$$

$$5 = \frac{1}{1 - MPC}$$

$$1 - MPC = \frac{1}{5}$$

$$1 - MPC = 0.2$$

$$MPC = 1 - 0.2$$

$$= 0.8$$

हम यह भी जानते हैं कि,

$$MPC + MPS = 1$$

अथवा, $$MPS = 1 - MPC$$

$$= 1 - 0.8$$

$$= 0.2$$

बचत में परिवर्तन (S) = Y MPS

= ₹ 2,500 करोड़ 0.2

= ₹ 500 करोड़

उत्तर: सीमांत उपभोग प्रवृत्ति = 0.8।

बचत में परिवर्तन = ₹ 500 करोड़।

सरकारी बजट तथा अर्थव्यवस्था
(Government Budget and The Economy)

1. सरकारी बजट का कुल व्यय ₹ 75,000 करोड़ है और कुल प्राप्तियाँ ₹ 45,000 करोड़ है। बजट घाटा कितना है?

हल: बजट घाटा = कुल व्यय – कुल प्राप्तियाँ

= ₹ 75,000 करोड़ – ₹ 45,000 करोड़

= ₹ 30,000 करोड़

उत्तर: बजट घाटा = ₹ 30,000 करोड़।

2. निम्नलिखित आँकड़ों से बजट घाटा ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) राजस्व व्यय	60,000
(ii) पूँजीगत व्यय	30,000
(iii) राजस्व प्राप्तियाँ	50,000
(iv) पूँजीगत प्राप्तियाँ	25,000

हल: बजट घाटा = राजस्व व्यय + पूँजीगत व्यय – (राजस्व प्राप्तियाँ + पूँजीगत प्राप्तियाँ)

= ₹ 60,000 करोड़ + ₹ 30,000 करोड़ – ₹ 50,000 करोड़ – ₹ 25,000 करोड़

= ₹ 90,000 करोड़ – ₹ 75,000 करोड़

= ₹ 15,000 करोड़

उत्तर: बजट घाटा = ₹ 15,000 करोड़।

3. नीचे दी गई सूचना के आधार पर राजकोषीय घाटा ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ लाख)**
(i) सरकार द्वारा लिया उधार	600
(ii) राजस्व प्राप्तियाँ	100
(iii) पूँजी प्राप्तियाँ	750
(iv) ब्याज अदायगी	150

हल: राजकोषीय घाटा = सरकार द्वारा लिया उधार

= ₹ 600 लाख

उत्तर: राजकोषीय घाटा = ₹ 600 लाख।

4. निम्नलिखित आँकड़ों से प्राथमिक घाटा ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) राजकोषीय घाटा	9,000
(ii) सरकार द्वारा ब्याज अदायगी	900

हल: प्राथमिक घाटा = राजकोषीय घाटा – सरकार द्वारा ब्याज अदायगी

= ₹ 9,000 करोड़ – ₹ 900 करोड़

= ₹ 8,100 करोड़

उत्तर: प्राथमिक घाटा = ₹ 8,100 करोड़।

5. सरकारी बजट में प्राथमिक घाटा ₹ 10,000 करोड़ है और ब्याज अदायगी ₹ 8,000 करोड़ है। राजकोषीय घाटा कितना है?

हल: राजकोषीय घाटा = प्राथमिक घाटा + ब्याज अदायगी

= ₹ 10,000 करोड़ + ₹ 8,000 करोड़

= ₹ 18,000 करोड़

उत्तर: राजकोषीय घाटा = ₹ 18,000 करोड़।

भुगतान शेष
(Balance of Payments)

1. व्यापार शेष ₹ 5,000 करोड़ का घाटा प्रकट करता है और आयातों का मूल्य ₹ 9,000 करोड़ है। निर्यातों का मूल्य क्या है?

हल: व्यापार शेष = (–) ₹5,000 करोड़

आयातों का मूल्य = ₹ 9,000 करोड़

व्यापार शेष = निर्यात – आयात

निर्यात = व्यापार शेष (घाटा) + आयात

= – ₹ 5,000 करोड़ + ₹ 9,000 करोड़

= ₹ 4,000 करोड़

उत्तर: निर्यातों का मूल्य = ₹ 4,000 करोड़।

2. व्यापार शेष ₹ 300 करोड़ का घाटा प्रकट करता है। निर्यातों का मूल्य ₹ 500 करोड़ है। आयातों का मूल्य क्या है?

हल: व्यापार शेष = निर्यात – आयात = (–) ₹ 300 करोड़

आयात = निर्यात – व्यापार शेष (घाटा)

= ₹ 500 करोड़ – (–) ₹ 300 करोड़

= ₹ 800 करोड़

उत्तर: आयातों का मूल्य = ₹ 800 करोड़।

3. निम्नलिखित आँकड़ों से चालू खाता शेष ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ लाख)**
(i) दृश्य व्यापार का शेष	9,000
(ii) सेवाओं का निर्यात	9,000
(iii) सेवाओं का आयात	3,000

हल: चालू खाता शेष = दृश्य व्यापार का शेष + अदृश्य व्यापार का शेष (सेवाओं का निर्यात – सेवाओं का आयात)

= ₹ 9,000 लाख + ₹ 9,000 लाख – ₹ 3,000 लाख

= ₹ 15,000 लाख

उत्तर: चालू खाता शेष = ₹ 15,000 लाख।

4. निम्नलिखित सूचना से गैर-कारक सेवाओं का शेष ज्ञात कीजिए:

मदें	**(₹ करोड़)**
(i) दृश्य व्यापार का शेष	500
(ii) आय	200
(iii) हस्तांतरण	100
(iv) चालू खाता शेष	900

हल: चालू खाता शेष = व्यापार शेष + गैर-कारक सेवाओं का शेष + आय शेष + हस्तांतरण शेष

अथवा

गैर-कारक सेवाओं का शेष = चालू खाता शेष – व्यापार शेष – आय शेष – हस्तांतरण शेष

= ₹ 900 करोड़ – ₹ 500 करोड़ – ₹ 200 करोड़ – ₹ 100 करोड़

= ₹ 100 करोड़

उत्तर: गैर-कारक सेवाओं का शेष = ₹ 100 करोड़।

5. यदि व्यापार शेष ₹ 300 करोड़ का आधिक्य प्रकट करता है और एक-पक्षीय भुगतान ₹ 50 करोड़ है तब भुगतान शेष के पूँजी खाते पर शेष कितना है?

हल: पूँजी खाता शेष = चालू खाता शेष + एक-पक्षीय भुगतान

= ₹ 300 करोड़ + ₹ 50 करोड़

= ₹ 350 करोड़

उत्तर: पूँजी खाता ₹ 350 करोड़ का घाटा प्रकट करता है।

■■■